पाठ्यक्रम

समाजशास्त्र पेपर - 2

इकाई I: सामाजिक अनुसंधान

- सामाजिक सर्वेक्षण और सामाजिक अनुसंधान: अर्थ और प्रकार; वैज्ञानिक विधि।
- सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता/मूल्य तटस्थता, पूर्वाग्रह, व्यक्तिपरकता और नैतिकता के मुद्दे।
- समाजशास्त्रीय अनुसंधान में मॉडल, प्रतिमान और सिद्धांत निर्माण।
- अनुसंधान डिजाइन: अर्थ और प्रकार।
- परिकल्पना: अर्थ, प्रकृति और प्रकार।
- नमूनाकरण: अर्थ और प्रकार।
- डेटा संग्रह की तकनीकें: अवलोकन, साक्षात्कार, अनुसूची, प्रश्नावली।
- डेटा संग्रह के तरीके: केस स्टडी विधि, सामग्री विश्लेषण, सांस्कृतिक अध्ययन दृष्टिकोण, प्रवचन विश्लेषण, नृवंशविज्ञान।

इकाई II: भारतीय समाज पर परिप्रेक्ष्य

- ग्रामीण अध्ययन: एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे और आंद्रे बेतेली।
- शहरी अध्ययन: एमएसए राव, वी.एस. डिसूजा, मीरा कोसंबी।
- आदिवासी अध्ययन: के.एस. सिंह, एस.एल. दोशी, वर्जिनियस ज़ाक्सा।
- लैंगिक अध्ययन: नीरा देसाई, शर्मिला रेगे, बीना अग्रवाल।
- भारत में समाजशास्त्र का विकास: इंडोलॉजिकल और पाठ्य परिप्रेक्ष्य। संरचनात्मक-कार्यात्मक परिप्रेक्ष्य। मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य। सभ्यतागत परिप्रेक्ष्य। पाठ्य और क्षेत्र दृष्टिकोण का संश्लेषण। सबाल्टर्न परिप्रेक्ष्य।
- शहरी अध्ययन: एम.एस.ए. राव, वी.एस. डिसूजा, मीरा कोसंबी।
- आदिवासी अध्ययन: के.एस. सिंह, एस.एल. दोशी, वर्जिनियस ज़ाक्सा।
- लैंगिक अध्ययन: नीरा देसाई, शर्मिला रेगे, बीना अग्रवाल।
- भारत में समाजशास्त्र का विकास: इंडोलॉजिकल और पाठ्य परिप्रेक्ष्य। संरचनात्मक-कार्यात्मक परिप्रेक्ष्य। मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य। सभ्यतागत परिप्रेक्ष्य। पाठ्य और क्षेत्र दृष्टिकोण का संश्लेषण। सबाल्टर्न परिप्रेक्ष्य।

इकाई III: समाजशास्त्रीय सिद्धांत

समाजशास्त्रीय सिद्धांत का अर्थ, प्रकृति और प्रकार, संरचनात्मक कार्यात्मकता, नव कार्यात्मकता, संघर्ष सिद्धांत, मार्क्सवादी सिद्धांत, नव मार्क्सवाद, परिघटना विज्ञान, नृवंशविज्ञान, प्रतीकात्मक-अंतःक्रियावाद, नारीवाद, संरचनावाद, संरचनाकरण, उत्तर-संरचनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।